B- IV
L- 34
W. G

स्थानीय और अस्थायी पवन :

Local and Temporary Wind

स्थानीय पवन :-

किसी स्थान विशेष पर वायु प्रवाह स्थानीय पवन कहलाती है।
जैसे - लू, कालबैसाखी, चिनूक

अस्थायी पवन :-

किसी निश्चित काल खण्ड / ऋतु के वायु प्रवाह को अस्थायी पवन कहते हैं।
जैसे - मानसूनी पवन, सागर व स्थल समीर

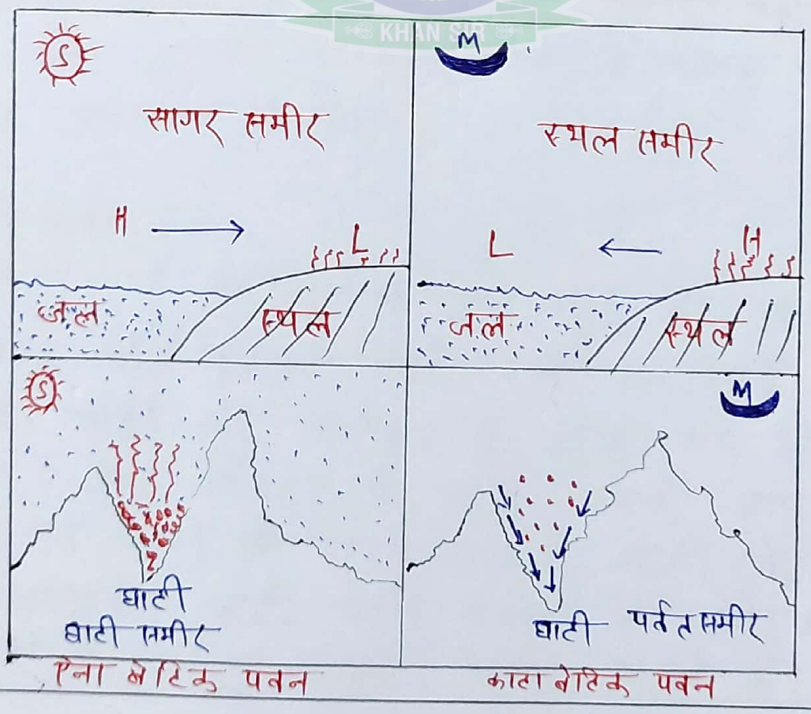

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Platform

Scanned by CamScanner

स्थल समीर :-

रात्रि के समय स्थल भाग में तापमान में कमी और समुद्री भाग पर तापमान की अधिकता के कारण स्थलीय भाग में अधिक वायुदाब तथा समुद्री भाग पर न्यून वायुदाब होता है अतः हवाएँ समुद्र तटों से स्थल की ओर बहना प्रारम्भ करती हैं जिन्हें स्थल समीर कहते हैं।

सागर समीर :-

दिन के समय सूर्य की ऊष्मा से स्थल भाग जल भाग की अपेक्षा अधिक गरम हो जाता है अतः स्थल भाग पर अधिक ताप तथा निम्न वायुदाब होता है जबकि जल भाग पर कम ताप के कारण उच्च वायुदाब होता है अतः हवाएँ सागर से स्थल की ओर बहना प्रारम्भ करती हैं जिन्हें सागर समीर कहा जाता है।

घाटी समीर :-

सूर्योदय के साथ सूर्य की किरणें सर्वप्रथम पर्वत शिखरों को स्पर्श करती हैं। इसी कारण घाटी की अपेक्षा वे शीघ्र गर्म हो जाते हैं तथा संवहन के कारण उनकी वायु ऊपर उठ जाती है परिणामस्वरूप घाटी के तल से अपेक्षाकृत ठंडी पवनें शिखर की ओर आने लगती हैं इन्हें घाटी समीर कहते हैं।

Scanned by CamScanner

पर्वत समीर :-

रात्रि के समय तीव्र विकिरण के कारण पर्वत शिखर शीघ्र ठण्डा हो जाता है तथा घाटी अपेक्षाकृत गरम रहती है अतः पर्वत शिखर की वायु सघन तथा भारी होने के कारण नीचे उतरती है जबकि घाटी की वायु अपेक्षाकृत हल्की होने के कारण ऊपर उठ जाती है इन्हे पर्वत समीर कहते हैं।

स्थानिक पवनें :-

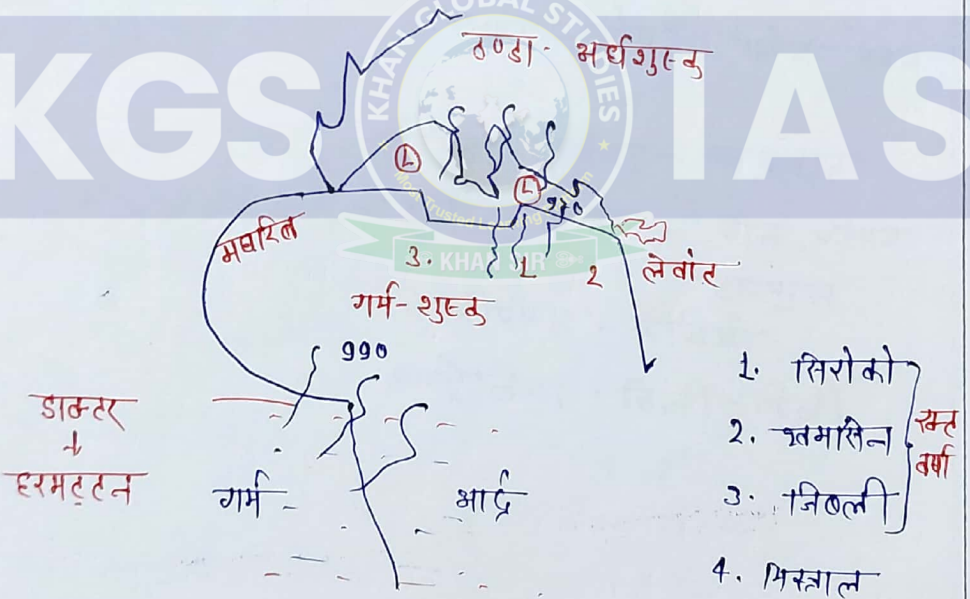

Scanned by CamScanner

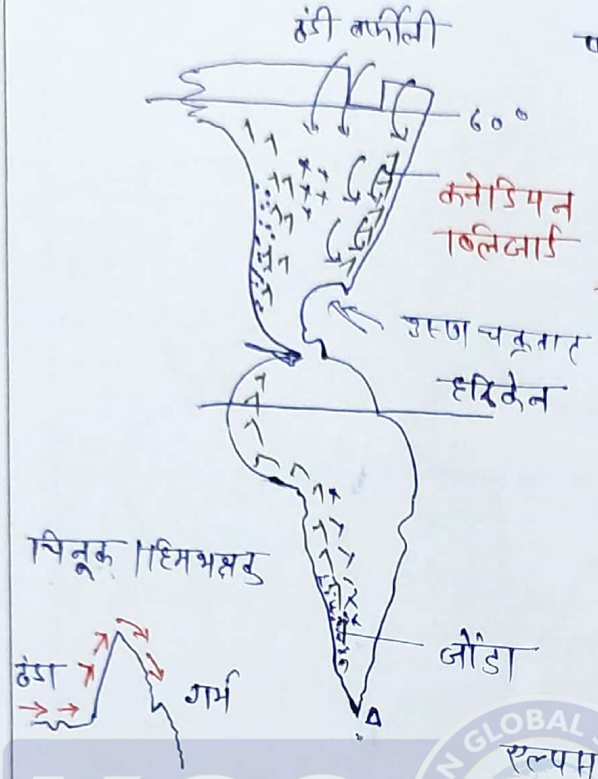

पर्वत शृंखलाओं के संरेखन का स्थानीय मौसम पर प्रभाव

वर्षा = वर्षा की मात्रा / वृष्टि
वर्षा क्षेत्र - वृष्टिछाया

तापीय नियंत्रण व जलवायु विभाजक - हिमालय

एल्पस - यूरोप ⇒ फोन पवन
दक्षिण एशिया - चक्रवात
पूर्वी एशिया - चीन, जापान - टायफून
फिलीपीन्स - बैगियो
आस्ट्रेलेशिया - विली-विली

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• शीतोष्ण क्षेत्र में जलधाराओं के मिलने से अच्छे मत्स्यन केन्द्र बनते हैं।
जैसे- क्युरोशियो, गल्फ स्ट्रीम

• ठंडा गहरा जल उद्वेलन क्षेत्र - जैसे - पेरू जलधारा
वेनेजुएला

• उथले व ढिछले निमग्नतट की प्रधानता शीतोष्ण क्षेत्रों में -

• उष्णकटिबंधीय सागरीय जैव-विविधता अत्यधिक

Scanned by CamScanner

होने के कारण वाणिज्यिक रूप से अनुपयोगी।

5. उष्ण कटिबंधीय - Self Life.

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner